डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 25 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 07 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मौसम: सर्द होने लगी रातें

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित अंचल में रातें सर्द होने लगी हैं। हालांकि, दिन में अब भी गर्मी बनी हुई है। अधिकतम तापमान 31 डिग्री व न्यूनतम तापमान 18 डिग्री के आसपास बना हुआ है। अगले सप्ताह के आखरी दिनों में दिन और रात के तापमान में गिरावट आएगी। दिन का तापमान 28 डिग्री के नीचे तो न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक पहुंच जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो 15 नवंबर से ठंड का असर बढ़ेगा। उत्तरी हवाएं चलने से पारे में और भी गिरावट होगी।मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर भारत में बर्फबारी होने के बाद पूरा मध्यप्रदेश ठिठुरने लगता है। इस बार नवंबर के दूसरे सप्ताह में उत्तर से ठंडी हवाएं आ सकती हैं, जिससे ठंड का असर और भी बढ जाएगा। पिछले 10 साल से यही ट्रेंड है।

बता दें कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के समाप्त होने के बाद मौसम सामान्य होता है। लेकिन, आसमान बादलों से घिरा रहता है। अक्टूबर की तरह उमस महसूस नहीं होती है। वहीं, रात के पारे में गिरावट आने लगती है।

अफीम से प्रेम, डोडाचूरा से बैर..?

अब आठवें साल फिर डोडाचूरा होगा पैदा, इस साल भी आंकड़े जमा करने की कोई योजना नहीं

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। एक बार फिर अफीम नीति जारी हो गई और पट्टेवितरण की प्रक्रिया भी जारी है। इधर अफीम को लेकर हर साल केंद्र स्तर पर नीति निर्धारण होता है। लेकिन, अफीम से निकलने वाले डोडाचूरा की और सरकार का ध्यान ही नहीं है। लगातार आठवें साल अफीम से निकलने वाले डोडाचूरा को लेकर कोई नीति तैयार नहीं हुई। मतलब इस बार भी कितना डोडाचूरा होगा और कहां जाएगा, इसका आंकडा किसी के पास नहीं होगा।

31 मार्च 2016 के बाद से डोडाचूरा के ठेके देना बंद कर दिए थे। इसकेबाद से डोडाचूरा अफीम किसानों के पास ही पडा है तो कुछ किसानों से तस्करों ने खरीदकर बाहर भी भेज दिया है। सरकार के नष्टीकरण के आदेश को लेकर आबकारी विभाग तीन साल में भी कोई फार्मूला तैयार नहीं कर पाया है। वर्ष 2016 के बाद से अभी भी अफीम की फसल सरकार खरीद रही है। अब किसानों के पास सात साल का डोडाचूरा स्टॉक में रखा है या नहीं है, इसकी भी कोई दस्तावेजी जानकारी किसी विभाग केपास नहीं है। डोडाचूरा के ठेके खत्म होने के बाद से ही आबकारी विभाग ने इसकी तरफ देखना ही छोड दिया था। क्योंकि, यह उनके नियंत्रण से ही बाहर हो गया।

नारकोटिक्स विभाग ने भी नहीं बताया अनुमानित उत्पादन...

सितंबर 2017 में प्रदेश सरकार के निर्देश पर आबकारी विभाग ने डोडाचूरा नष्टीकरण की कारवाई शुरू की थी, पर कागजों में ही चलने के बाद यह फाइल ठंडे बस्ते में पहुंच गई। आबकारी विभाग यह भी पता नहीं कर पाया था कि 10 आरी में कितना डोडाचूरा उत्पादित होता है। जबकि, लगभग 30 वर्षों से भी अधिक समय तक डोडाचूरा लाइसेंस, ठेके पर विभाग का सीधा नियंत्रण रहा है। सरकार के निर्देश मिलने पर आबकारी विभाग ने नारकोटिक्स विभाग को पत्र लिखकर जानकारी मांगी कि जिले में अफीम किसान कितने हैं? अफीम खेती का कुल रकबा क्या है? और एक किसान के यहां अनुमानित कितना डोडाचूरा उत्पादित होता है? इस पर नारकोटिक्स विभाग ने किसानों की संख्या और अफीम खेती का रकबा तो बता दिया, लेकिन डोडाचूरा उत्पादन की जानकारी नहीं दी थी। इससे विभाग की कागजी मुश्किलें बढ गई। फिर एक दल राजस्थान के प्रतापगढ में चल रही डोडाचूरा नष्टीकरण की प्रक्रिया देखने भी गया। वहां पर एक किसान को मिले 10 आरी के पट्टेपर औसत 15 किलो डोडाचूरा उत्पादन मानकर जलाया गया था। यहां भी तत्कालीन कलेक्टर के माध्यम से शासन को पत्र लिखा गया, पर उसके बाद कोई जवाब नहीं आया और अब डोडाचूरा किसानों के पास है या चला गया, इसकी भी जानकारी विभाग के पास नहीं है।

राजनीतिक दलों से जुड़े लोग भी नहीं चाहते नष्टीकरण...

जिले में कांग्रेस हो या भाजपा, दोनों ही दलों की राजनीति में अफीम व डोडाचूरा ठेकेदारों व तस्करों की सीधी घुसपैठ है। त्रिस्तरीय पंचायत में कई जनप्रतिनिधि ऐसे हैं, जो सीधे इस धंधे से जुड़े हुए हैं या जुडे रहे हैं। राजनीति के जरिए सीधे शासन में पैठ होने के कारण ही डोडाचूरा नष्टीकरण की प्रक्रिया रुक गई और अधिकांश डोडाचूरा तस्करी से बाहर चला भी गया है। पुलिस सूत्रों की मानें तो कई जनप्रतिनिधि तो पुलिस द्वारा अफीम, डोडाचूरा के केस बनाने पर आरोपियों को छुडवाने के लिए तोड-बट्टेभी कराते हैं तो कुछ केस बनाने की संख्या के आधार पर थानेदारों से वसूली भी कर रहे हैं।

10 आरी के एक खेत में होता है 80 किलो डोडाचूरा...

डोडाचूरा ठेकेदारी से जुडे लोगों की मानें तो 10 आरी के अफीम खेत में औसतन 80 किलो से एक क्विंटल तक डोडाचूरा निकलता है। कुछ किसानों के यहां यह मात्रा 60 किलो तक भी हो सकती है, पर इससे कम नहीं होती है। अभी जिले में औसत 13 हजार किसान अफीम खेती से जुडे हैं। अगर 60 किलो भी औसत मानें तो 7.80 लाख किलो डोडाचूरा साल भर में होना चाहिए। जबकि, विभाग तो 15-30 किलो का औसत मानकर खुद ही तस्करी को बढावा देने में लगा है।

एसडीपी के बिना करना पड़ रहे डेंगू से दो-दो हाथ..!

मशीन को लेकर लोगों ने उठाई आवाज, सांसद सुधीर गुप्ता ने दी निधि की स्वीकृति

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शहर सहित जिले में डेंगू का कहर जारी है। सरकारी आंकडा जरुर पौने दो सौ के लगभग बता रहा है। लेकिन, हकीकत में डेंगू मरीजों की संख्या 350 के पार पहुंच चुकी है। यही कारण है कि ब्लड की मांग तेजी से बढी है। एक बार फिर एसडीपी (सिंगल ब्लड डोनर प्लेटलेट्स) मशीन की आवश्यकता को महसूस किया जा रहा है। पूर्व में सामाजिक संस्थाओं ने तत्कालीन प्रभारी मंत्री और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर सरकारी अस्पताल में मशीन उपलब्ध कराने की मांग भी की थी। मांगों की अनदेखी अब भारी पड रही है। सरकारी अस्पताल सहित किसी भी निजी अस्पताल में मशीन नहीं है। जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड रहा है। एसडीपी मशीन की मांग फिर तेज हुई है। गांधी चौराहा पर लोग एकत्रित हुए। हाथों में तख्तियां लेते हुए रैली निकाली गई। इसके बाद एक ज्ञापन सांसद सुधीर गुप्ता को सौंपा गया। हालांकि इसके पहले ही सांसद सुधीर गुप्ता ने एसडीपी मशीन के लिए सांसद निधि मंजूर कर दी। कागजी औपचारिकताए पूर्ण होने के बाद मशीन जल्द ही आने की उम्मीद है।

जिले में वायरल के साथ डेंगू का शिकंजा लगातार बढ रहा है। यहां लोगों में बुखार आते ही प्लेटलेट्स कम होने का भय बना हुआ है। जिससे एक मरीज को करीब आठ यूनिट ब्लड की भी जरुरत पड रही है। निजी अस्पतालों से भी ब्लड की भारी डिमांड ब्लड बैंक में पहुंच रही है। लोगों को सिंगल डोनर प्लेटलेटस मशीन सुविधा नहीं होने का खामियाजा भुगतना पड रहा है। चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि जिले में हर साल डेंगू, चिकनगुनिया, स्क्रब टाइफस के रोगी सर्वाधिक चिह्नित होते हैं। इसके बावजूद सुविधा उपलब्ध नहीं है। जबकि, सामाजिक संस्थाएं इस मशीन की मांग कई बार कर चुकी है। पच्चीस से तीस लाख कीमत की यह मशीन सरकारी अस्पताल के अलावा मंदसौर के किसी निजी अस्पताल के पास भी उपलब्ध नहीं है। जिससे परेशानी और ज्यादा बढ रही है। हालांकि मशीन के लिए सांसद निधि स्वीकृत होने के बाद जल्द ही सुविधा मिलने की उम्मीद है।

यह काम करती है एसडीपी मशीन...

यह मशीन सीधे मानव शरीर से प्लेटलेटस ही लेती है और आरबीसी प्लाज्मा को वापस शरीर में चढा देती है। इसमें मरीज को एक यूनिट ब्लड से 40 से 50 हजार प्लेटलेटस एक साथ मिल जाती हैं। सीधे सरल भाषा में डेंगू में प्लेटलेटस की जरुरत मरीजों को लग रही है। एसडीपी मशीन डोनर के ब्लड से सिर्फ प्लेटलेटस ही लेगी। इस प्रक्रिया में करीब एक घंटे का समय लगता हैं। अभी रक्तदाता से एक यूनिट रक्त लेने के बाद पैकसेल से आरबीसी को अलग किया जाता है। दूसरे चरण में प्लाज्मा और प्लेटलेटस को अलग-अलग किया जाता है। इस सुविधा के लिए कंपोनेंट सेपरेटर मशीन के साथ प्लाज्मा स्टोर के लिए माइनस 40 और माइनस 70 डिग्री वाले फ्रिज की जरूरत है। वहीं प्लेटलेट एजीटेटर के लिए मूविंग करने वाला 22 से 24 सेंटीग्रेड वाले फ्रिज तथा प्लाज्मा एक्सपेसर की जरूरत है। बता दें की डेंगू में शरीर में मौजूद ब्लड से प्लेटलेटस की मात्रा कम हो जाती है। शरीर में प्लेटलेटस की संख्या कम होने को थ्रोम्बोसाइटोपेनिया कहते हैं। यदि संख्या 20 हजार से कम हो जाए तो शरीर में रक्तस्राव की आशंका बढ जाती है।

उज्जैन, नर्मदापुरम और शहडोल में भी खुलेगी पुलिस की फोरेंसिक लैब

भोपाल, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के उज्जैन, नर्मदापुरम और शहडोल जिला मुख्यालय में भी फारेंसिक सैंपलों की जांच के लिए लैब शुरू करने का प्रस्ताव है। इनके शुरू होने से प्रदेश में फोरेंसिक सैंपलों की जांच की 10 लैब हो जाएंगी। इनके खुलने से लाभ यह होगा कि एक से डेढ वर्ष में जांच के लिए सैंपल लंबित नहीं रह जाएंगे।

कम लैब के कारण फोरेंसिक रिपोर्ट में देरी– देशभर में एक जुलाई से तीन कानूनों के नए स्वरूप में प्रभावी होने के बाद त्वरित न्याय देने का दावा किया गया है। इसमें विलंब का बडा कारण समय पर साक्ष्य प्रस्तुत नहीं हो पाना है। इनमें भी फोरेंसिक सैंपलों की जांच अहम होती है। प्रदेश की वर्तमान पांच लैब की क्षमता कम होने के कारण विभिन्न जिलों के 20 हजार से अधिक सैंपल जांच के लिए लैबों में रखे हुए हैं।

रीवा और रतलाम में फोरेंसिक लैब तैयार– जांचें जल्दी करने के लिए सरकार रीवा और रतलाम में भी फोरेंसिक लैब इसी माह से प्रारंभ करने की तैयारी में है। अभी सागर, भोपाल, ग्वालियर, इंदौर .... शेष पेज 4 पर

आधा दर्जन राज्यों में मचाया उत्पात

मंदसौर पुलिस के हत्थे चढ़ा मोबाईल टॉवर गैंग चोर गिरोह, लाखों का सामान जप्त, चार आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मोबाईल टॉवर स्पेशलिस्ट चोर गैंग को नई आबादी थाना पुलिस ने दबोचा है। मतलब यह गैंग मोबाईल टॉवर को निशाना बनाती थी। मोबाईल टॉवरों को निशाना बनाने वाली चोर गैंग के चार सदस्यों को पकडा गया है। यह गैंग उप्र, मप्र, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में करीब 47 जगहों पर चोरी की वारदात को अंजाम दे चुकी है। आरोपियों से चार पहिया वाहन के अलावा 20 लाख रूपये कीमत का सामान जप्त किया गया है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद ने प्रेसवार्ता में बताया कि पिछले दो माह में थाना क्षेत्र सर्कल में एयरटेल मोबाईल टावर पर मशीनों की चोरी के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। थाना नईआबादी के सउनि सुनीलसिंह तौमर को मुखबीर सूचना मिली कि नयाखेडा मंदसौर पर तीन-चार लोग बादाखेडी व मैनपुरिया से टावर की चुराई गई मशीन को बेचने के संबंध में बातचीत कर रहे हैं। मुखबीर द्वारा बताए हुलिए अनुसार चार लोगो को हमराही फोर्स की मदद से गिरफ्तार किया गया। आरोपियो के कब्जे से करीबन 20 लाख रुपए का मोबाईल टावर व अन्य उपकरणों से संबंधित सामान जप्त किया गया। आरोपी बदमाशों द्वारा अन्तराज्यीय गैंग बनाकर मोबाईल टावरो की आंजना मशीनों एवं अन्य उपकरणों को चोरी कर बडे शहरो में ले जाकर बेचना कबूला है। आरोपियो द्वारा मध्यप्रदेश के अलावा समीपवर्ती राजस्थान, उत्तरप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र आदि अन्य राज्यो की जगहों से रात्री में मोबाईल टावर के उपकरणों की चोरी करने की वारदातो को कबूला गया है। पुलिस कप्तान श्री आनंद ने बताया कि आरोपियों से 09 नग आंजना डिवाईस मोबाईल टावर मशीन किमती 20 लाख रुपए और एक हुण्डई कंपनी की कार जब्त की है।

चोरी के इस मामले में पुलिस ने तूफानसिंह पिता गणपतसिंह राठौर जाति राजपुत उम्र 21 साल निवासी ग्राम बापच्या थाना सीतामऊ, मेहरबानसिंह पिता रामसिंह सिसौदिया उम्र 23 साल निवासी ग्राम बापच्या थाना सीतामऊ, कारुलाल पिता भंवरलाल नायक उम्र 21 साल निवासी ग्राम बापच्या थाना सीतामऊ, हेमन्त उर्फ नितेश पिता किशोरलाल राठौर उम्र 19 साल निवासी बापच्या थाना सीतामऊ को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही में वरूण तिवारी थाना प्रभारी नई आबादी एवं प्रआर दशरथ मालवीय सहित टीम की विशेष भूमिका रही।

ट्रक के बोनट में घुसा 5 फीट का अजगर, रेसक्यू कर जंगल में छोड़ा

मनासा, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। समीपस्थ रामपुरा नगर के नवीन बस स्टैंड पर खडे एक ट्रक के बोनट में 5 फीट का अजगर घुस गया। लोगों को जानकारी मिली, तो भीड लग गई। वन विभाग को सूचना दी गई। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद अजगर का रेस्क्यू कर उसे जंगल में छोड दिया गया।

वन विभाग के रेंजर भानुप्रताप सिंह ने बताया कि अजगर पास के जंगली क्षेत्र आदमबाडी से चलते हुए रिंगवाल की ओर जा रहा था। इसी दौरान रोड क्रॉस करते समय लोगों की नजर पड गई। लोगों के शोर मचाने से अजगर पास ही खडे ट्रक के नीचे घुस गया। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू के दौरान अजगर ट्रक के बोनट में पहुंच गया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद उसे रेस्क्यू किया गया। अजगर का वजन करीब 20 किलो और लंबाई 5 फीट से अधिक है। रेंजर रामपुरा भानुप्रताप सिंह ने बताया कि अजगर को सुरक्षित जगह छोड दिया गया है।

शिक्षा पोर्टल पर कई शिक्षकों को कर दिया निष्क्रिय, अब वेतन बनाने की चुनौती

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शिक्षा विभाग ने कई शिक्षकों के नाम शिक्षा पोर्टल पर निष्क्रिय कर दिए हैं। ऐसे में उन शिक्षको का वेतन पत्रक बनाना भी चुनौती बन रहा हैं। दरअसल शिक्षक अरुण सिंह का स्थानांतरण हो गया है। एक शिक्षिका भी इस्तीफा दे चुकी हैं। लेकिन, इन दोनों का नाम पुराने स्कूल में ही प्रदर्शित हो रहा है। वहीं रतलाम जिले के माध्यमिक शिक्षक मधुवन मौर्य को उच्च प्रभार देकर दूसरे स्कूल भेजा गया। किन्तु उन्हें शिक्षा पोर्टल से निष्क्रिय कर दिया है।

ऐसे एक नहीं, कई उदाहरण हैं। शिक्षा पोर्टल पर निष्क्रिय किए गए शिक्षकों व कर्मचारियों की सूची सामने आई है। मप्र स्कूल शिक्षा विभाग ने अलग-अलग जिलों के 01 लाख 46 हजार 333 अधिकारियों व कर्मचारियों को पोर्टल से निष्क्रिय कर दिया है। इसमें करीब एक लाख 22 हजार शिक्षक, अधिकारी व कर्मचारी सेवानिवृत्त, 22 हजार 500 की मौत, 2700 का निलंबन और 18 हजार ने इस्तीफा दिया है। अब इन्हें पोर्टल से निष्क्रिय कर दिया गया है। हालांकि, इनके साथ ही कई पदस्थ शिक्षकों व कर्मचारियों को भी निष्क्रिय कर दिया गया है। अब इनके वेतन नहीं बन पा रहे हैं। शिक्षा पोर्टल पर जिन लाखों कर्मचारियों को निष्क्रिय किया गया है, उसका कारण उनकी मृत्यु, रिटायरमेंट, बर्खास्तगी या फिर त्यागपत्र देना बताया गया है। इनमें से कई लोकसेवकों ने खुद को पोर्टल पर एक्टिव करने की मांग की है।

डीपीआई ने दिए परीक्षण के निर्देश...

लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि इन निष्क्रिय किए गए प्रत्येक लोक सेवक का परीक्षण कर प्रस्ताव भेजे जाएं। इसमें लोक सेवक का नाम, यूनिक आईडी, शाला का डाइस कोड, शाला का नाम, एक्टिव करने का कारण और इस त्रुटि के लिए जिम्मेदार अधिकारी, कर्मचारी का नाम और पद की जानकारी मांगी गई है।

परवलिया में लापता युवक की मिली लाश

प्रशासन की अतिक्रमण हटाओ कार्यवाही जारी, पुलिस कप्तान श्री कुमार रहे मौजूद

रतलाम, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। उज्जैन से ढोढर आए नौ युवकों का परवलिया में स्थानीय दुकान संचालक से विवाद और मारपीट के बाद एक युवक के लापता होने के मामले में पुलिस को बडी सफलता मिली। मामले की जांच कर रही पुलिस टीम को लापता युवक का शव परवलिया गांव के पीछे एक कुए से बरामद हुआ। वही विवाद और मारपीट के मामले में सभी आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया है।

मामले की जानकारी मिलने के बाद एसपी अमित कुमार, एएसपी राकेश खाखा के साथ स्वयं परवलिया पहुंचे और मौके का निरीक्षण करते हुए लोकेश तंबोलिया पिता भेरुलाल तंबोलिया उम्र 23 साल निवासी उज्जैन की तलाश के लिए आवश्यक निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस फोर्स के साथ ही डॉग स्क्वायड और ड्रोन की मदद से रात में ही युवक की सर्चिंग शुरू करवाई। जांच के दौरान पुलिस ने क्षेत्र के लगभग एक दर्जन से अधिक कुओं की अंडर वोटर ड्रोन से तलाशी कर रही थी। इस दौरान पुलिस को 06 नवम्बर परवलिया गांव के पीछे एक कुए से लोकेश का शव बरामद हुआ।

यह था पूरा घटनाक्रम

उज्जैन निवासी सोमिक, रोहित, लोकेश, आनन्द, लखन, गोलु, गड्डु, कार्तिक, सौरभ 1 नवंबर की रात करीब 08.00 बजे ढोढर स्थित परवलिया बांछडा डेरा पहुंचे थे। यहां किराना दुकान संचालक यश चौहान से सिगरेट खरीदने के दौरान सिगरेट महंगी देने की बात को लेकर लोकेश तथा सोमिक के साथ दुकान संचालक से विवाद और झूमा झटकी हुई थी। सोमिक ने दुकान संचालक यश को चाकू दिखाकर डराया था और वहां से दोनों निकलकर अपने अन्य साथियों के साथ ठाकुर ढाबा परवलिया में खाना खाने चले गए थे। जहां कुछ देर बाद लगभग रात 09.00 बजे दुकान संचालक यश चौहान अपने साथियों के साथ तीन-चार बाइक पर आए और मारपीट करने लगे। उज्जैन से आए सभी लडके जान बचाने के लिए फोरलेन पर परवलिया से ढोढर की तरफ भागने लगे। इस दौरान लोकेश कहीं गुम हो गया और शेष सभी साथी लोकेश को 3-4 घंटे तलाशने के बाद उज्जैन वापस चले गए और घटना की जानकारी लोकेश के भाई को दी।

समय पर कार्यवाही ना करने के चलते चौकी प्रभारी कन्हैया अवास्या को निलंबित किया

3 नवंबर को लोकेश के भाई फरियादी रोहित ने पुलिस चौकी पर आकर लापता होने के साथ ही मारपीट की जानकारी भी ढोढर चौकी प्रभारी कन्हैया अवास्या को दी थी, लेकिन ढोढर चौकी प्रभारी ने सिर्फ गुमशुदगी का प्रकरण दर्ज किया। इस बात की जानकारी जब सोमवार को एसपी अमित कुमार को मिली, तो उन्होंने अपने स्तर पर पूरे मामले की पडताल करवाई। मारपीट की जानकारी मिलने पर एसपी ने आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज करने के निर्देश देते हुए लापरवाही बरतने पर तत्काल एक्शन लेते हुए ढोढर चौकी प्रभारी को निलंबित भी कर दिया था।

विचार-मंथन

मंदिरों पर हो रहे हमले के पीछे ट्रूडो की राजनीति

अब खालिस्तान समर्थकों ने कनाडा के एक हिंदू मंदिर में उपद्रव कर अपनी शक्ति प्रदर्शित करने की कोशिश की है। रविवार को ब्रैम्टन शहर के एक हिंदू मंदिर पर हमला कर वहां उपस्थित भक्तों के साथ मारपीट की गई। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद वहां रह रहे हिंदू समुदाय के लोगों में रोष है। बताया जा रहा है कि घटना के वक्त पुलिस वहां मौजूद थी, मगर उसने उपद्रवियों को रोकने की कोशिश नहीं की। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने घटना की निंदा की और इस बात पर बल दिया है कि कनाडा में रह रहे हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार पूजा-पाठ करने का हक है। मगर इस घटना के बाद वहां रह रहे भारतीय मूल के लोगों के बीच ही जिस तरह के परस्पर संघर्ष का वातावरण बन गया है, उसके लिए जिम्मेदार किसे माना जाना चाहिए। आखिर खालिस्तान समर्थकों का हौसला इस कदर कैसे बढ़ गया कि उन्होंने दूसरों की आस्था पर भी चोट पहुंचानी शुरू कर दी है। छिपी बात नहीं है कि कनाडा सरकार खालिस्तान समर्थकों को संरक्षण देती रही है। जबसे वहां चुनाव का माहौल बना है और ट्रूडो को लगने लगा है कि उन्हें शिकस्त मिल सकती है, तो उनकी घबराहट बढ़ गई है। सिख समुदाय के लोगों का समर्थन हासिल करने के मकसद से वे खुल कर उनका साथ देते देखे जा रहे हैं। हालांकि खालिस्तान समर्थकों का कनाडा में उपद्रव और प्रदर्शन कोई नई घटना नहीं है। वे लंबे समय से भारत-विरोधी गतिविधियां चलाते रहे हैं। कभी स्वर्ण मंदिर में हुए हमले की बरसी पर आपत्तिजनक प्रदर्शनी का आयोजन करके, कभी भारत-विरोधी प्रदर्शन करके, कभी भारतीय उच्चायोग के बाहर उपद्रव करके। उन सभी घटनाओं पर भारत सरकार ने आपत्ति जताई और गुहार लगाई कि कनाडा सरकार ऐसे उपद्रवी और अलगाववादी तत्वों पर नकेल कसे। मगर कनाडा सरकार ने उन अपीलों को कभी गंभीरता से नहीं लिया। खालिस्तान समर्थकों का हौसला तब और बढ़ गया, जब खुद ट्रूडो ने हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय खुफिया एजंसियों का हाथ बताया। इसे लेकर तनातनी लगातार बढ़ती गई है। ट्रूडो आरोप पर आरोप लगाते जा रहे हैं। उन्होंने कनाडा में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों को भी शक के घेरे में खड़ा कर दिया। दोनों देशों ने अपने उच्चायुक्त सहित सभी अधिकारियों को वापस बुला लिया। उसके बाद उन्होंने भारत के गृहमंत्री पर भी आरोप मढ़ दिया। समझना मुश्किल नहीं है कि जब देश का शीर्ष नेतृत्व भारत से अपने संबंधों की परवाह किए बिना खुल्लमखुल्ला ऐसे आरोप लगा रहा है, तो खालिस्तान समर्थकों का मनोबल बढ़ेगा ही। ट्रूडो बेशक कह रहे हों कि कनाडा में रहने वाले हर व्यक्ति को अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीने का हक है, मगर उनके एक समुदाय के प्रति अतिशय लगाव प्रदर्शित करने से सामाजिक विद्वेष का वातावरण तो पैदा हो ही गया है। शायद ट्रूडो को अंदाजा भी नहीं कि इस वातावरण के खतरनाक नतीजे भी हो सकते हैं। यह किसी भी परिपक्व नेतृत्व की निशानी नहीं मानी जा सकती कि जो मसले आपसी बातचीत से हल किए जाने चाहिए, उन्हें वह सार्वजनिक मंचों से उछाले। बार-बार मांगे जाने के बाद भी निज्जर मामले से जुड़े तथ्य कनाडा सरकार अभी तक भारत को नहीं उपलब्ध करा सकी है। सामाजिक विद्वेष की कीमत पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिशें सभ्यता पर गहरे घाव छोड़ती हैं।

ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देना समय की मांग

मिलिंद कुमार शर्मा

दुनिया जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं और बढ़ते प्रदूषण स्तरों से बढ़ती चुनौतियों का सामना कर रही है. ऐसे में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ईंधन स्रोत की आवश्यकता पहले कभी इतनी जरूरी नहीं रही. इस संदर्भ में, ग्रीन हाइड्रोजन रिन्यूएबल एनर्जी सोर्स का उपयोग करके उत्पादित ईंधन टिकाऊ ऊर्जा की ओर वैश्विक बदलाव में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है. भारत ने अपनी बढ़ती ऊर्जा मांगों और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने की प्रतिबद्धता के साथ ग्रीन हाइड्रोजन को संभावित गेम-चेंजर के रूप में पहचाना है. उन क्षेत्रों को डीकार्बोनाइज करने की क्षमता के साथ, जिनका विद्युतीकरण करना मुश्किल है, ग्रीन हाइड्रोजन भारत के ऊर्जा परिदृश्य को बदलने, वायु गुणवत्ता में सुधार, आयात निर्भरता को कम करने और देश के जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने का वादा करता है. हाइड्रोजन, ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर तत्व है, जिसे लंबे समय से ऊर्जा वाहक के रूप में इसकी क्षमता के लिए पहचाना जाता है. हालांकि, सभी हाइड्रोजन का उत्पादन पर्यावरण के अनुकूल तरीके से नहीं किया जाता है. हाइड्रोजन को इसकी उत्पादन प्रक्रिया के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है जैसे ग्रे हाइड्रोजन, ब्लू हाइड्रोजन और ग्रीन हाइड्रोजन. ग्रे हाइड्रोजन और ब्लू हाइड्रोजन जीवाश्म ईंधन से उत्पादित होते हैं, जो कार्बन डाइऑक्साइड को उपोत्पाद के रूप में छोड़ते हैं और इसमें क्रमशः उत्सर्जन को कम करने के लिए कार्बन कैप्चर और स्टोरेज तकनीक शामिल होती है. ग्रीन हाइड्रोजन को रिन्यूएबल इलेक्ट्रिसिटी (सौर या पवन से) का उपयोग करके पानी के इलेक्ट्रोलिसिस के माध्यम से उत्पादित किया जाता है, जो केवल ऑक्सीजन को उपोत्पाद के रूप में छोड़ता है, और इसे पूरी तरह से कार्बन-मुक्त ईंधन बनाता है. यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि ग्रीन हाइड्रोजन, इसलिए, ऊर्जा के स्वच्छ, टिकाऊ रूप का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें उत्सर्जन को काफी कम करने और जीवाश्म ईंधन से दूर वैश्विक संक्रमण का समर्थन करने की क्षमता है. कई वाणिज्यिक और घरेलू कारणों से भारत की ऊर्जा जरूरतें तेजी से बढ़ रही हैं. वर्तमान में, देश कोयले और आयातित तेल पर बहुत अधिक निर्भर है, जो दोनों ही भारी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के प्रमुख स्रोत हैं. कार्बन उत्सर्जन में कमी, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना, आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और वायु गुणवत्ता में सुधार आदि जैसी राष्ट्रीय अनिवार्यताएं भारत में ग्रीन हाइड्रोजन को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित करती हैं. चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जक है. फिर भी, इसने महत्वाकांक्षी जलवायु लक्ष्यों के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना और 2030 तक 2005 के स्तर से अपने उत्सर्जन की तीव्रता को 45 प्रतिशत तक कम करना शामिल है. हरित हाइड्रोजन में निवेश करके, भारत अपने ऊर्जा मिश्रण को काफी हद तक कम कर सकता है. विशेष रूप से धातु, सीमेंट, भारी इंजीनियरिंग और भारी परिवहन जैसे कठिन-से-कम करने वाले क्षेत्रों में। यह उल्लेखनीय है कि भारत अपनी कच्चे तेल की आवश्यकताओं का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है, जिससे यह वैश्विक तेल मूल्य में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक संकट के कारण बार-बार आपूर्ति में व्यवधान के प्रति संवेदनशील हो जाता है. ग्रीन हाइड्रोजन में परिवर्तन के साथ, भारत आयातित तेल और गैस पर अपनी निर्भरता कम कर सकता है, अपनी ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ा सकता है और अधिक आत्मनिर्भर ऊर्जा परिदृश्य को बढ़ावा दे सकता है. हरित हाइड्रोजन उत्पादन और बुनियादी ढांचे के विकास की ओर बदलाव आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकता है और रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकता है. ग्रीन हाइड्रोजन उद्योग में इलेक्ट्रोलाइजर के निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के विकास और परिवहन और भंडारण समाधानों सहित कई तरह की गतिविधियां शामिल हैं. इस क्षेत्र में निवेश करके, भारत में हरित हाइड्रोजन में ग्लोबल लीडर बनने, उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि को बढ़ावा देने की क्षमता है. इसके अलावा, वायु प्रदूषण भारत में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है, जहां प्रमुख शहरों में अक्सर वायु प्रदूषकों का खतरनाक स्तर दर्ज किया जाता है. ग्रीन हाइड्रोजन में परिवर्तन से परिवहन और औद्योगिक प्रक्रियाओं जैसे क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधन की आवश्यकता कम हो सकती है, जिससे प्रदूषक उत्सर्जन को कम करने और वायु गुणवत्ता में सुधार करने में मदद मिलेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होगा और स्वास्थ्य सेवा लागत में कमी आएगी. जबकि ग्रीन हाइड्रोजन के संभावित लाभ स्पष्ट हैं, कई चुनौतियां जैसे उच्च उत्पादन लागत, बुनियादी ढांचे की जरूरतें, इलेक्ट्रोलाइजर का सीमित घरेलू विनिर्माण, ऊर्जा की जरूरतें आदि को भारत में इसे एक व्यवहार्य ऊर्जा समाधान बनाने के लिए पर्याप्त रूप से संबोधित किया जाना चाहिए. इलेक्ट्रोलाइजर और नवीकरणीय बिजली की उच्च लागत के कारण ग्रीन हाइड्रोजन वर्तमान में ग्रे और ब्लू हाइड्रोजन की तुलना में अधिक महंगा है.जीवाश्म ईंधन के साथ लागत-प्रतिस्पर्धात्मकता प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी प्रगति, उत्पादन को बढ़ाने और लागत कम करने के लिए नीति समर्थन की आवश्यकता होगी. भारत में इसका उत्पादन, भंडारण और परिवहन बुनियादी ढांचा अभी भी अपनी प्रारंभिक अवस्था में है. देश में आवश्यक पाइपलाइनों, ईंधन स्टेशनों और भंडारण सुविधाओं का अभाव है, जिससे ग्रीन हाइड्रोजन को बड़े पैमाने पर अपनाना चुनौतीपूर्ण हो जाता है. संपूर्ण हरित हाइड्रोजन मूल्य श्रृंखला का समर्थन करने के लिए बुनियादी ढांचे में पर्याप्त निवेश की आवश्यकता है. ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए इलेक्ट्रोलाइजर आवश्यक हैं, फिर भी भारत वर्तमान में अपनी अधिकांश इलेक्ट्रोलाइजर आवश्यकताओं के लिए आयात पर निर्भर है।

विलुप्ति की ओर प्राकृतिक जल स्रोत

प्रो. मनोज डोगरा

'जल है तो कल है।' सामान्य मानव जीवन में अक्सर सभी इन पंक्तियों को सुनते-पढ़ते आए हैं तथा इसके भावार्थ को भी अच्छे तरीके से समझते हैं, लेकिन ज्ञान होने के बावजूद भी लोग जल को व्यर्थ में बहाने से बाज नहीं आते, यह जानने के बावजूद भी कि जल ही इस पृथ्वी पर सभी जीवों के जीवन का आधार है। प्राकृतिक जल स्रोतों का एक विशेष महत्व है, जिसे हमारे पूर्वज भली-भांति जानते थे, लेकिन आज के लोगों की इन प्राकृतिक जल स्रोतों के प्रति प्रवृत्ति बिल्कुल असंवेदनशील हो गई है। पहले सभी एक साथ मिलकर प्राकृतिक जल स्रोतों से जल लेने जाते थे तथा वहां की सफाई भी करते थे, जिससे प्राकृतिक संतुलन भी बरकरार रहता था। लेकिन आज के लोग सुबह पानी लाना तो छोड़ो, नल में आए पानी को भर लें वही बहुत बड़ी बात है। कहीं न कहीं प्राकृतिक जल स्रोतों के विलुप्त होने के पीछे आमजन का ही हाथ है और प्रशासन की अनदेखी भी इनकी विलुप्तता को और बढ़ावा देती है। जब आप छोटे थे, तो उस समय कितने जल स्रोत आसपास होते थे लेकिन समय के साथ ये सब विलुप्त होते जा रहे हैं, जिनको बचाना आमजन यानी हम और आप की नैतिक जिम्मेदारी है। अनेक स्वयंसेवी व युवा संस्थाएं इनके संरक्षण के प्रति सक्रिय हैं और लगातार इस क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। इसी प्रकार से अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आगे आना तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण को अपना लक्ष्य बनाना होगा, क्योंकि जल के बिना कल की कल्पना एक अधूरा व धुंधला सपना-सा प्रतीत होता है। जल पृथ्वी पर उपलब्ध एक बहुमूल्य संसाधन है। जैसा कि सभी को ज्ञात ही है कि धरती का लगभग तीन-चौथाई भाग जल से घिरा हुआ है, किन्तु इसमें से 97 प्रतिशत पानी खारा है, जो पीने योग्य नहीं है। पीने योग्य पानी की मात्रा सिर्फ 3 प्रतिशत है। इसमें भी 2 प्रतिशत पानी ग्लेशियरों एवं बर्फ के रूप में है। इस प्रकार सही मायने में मात्र 1 प्रतिशत पानी ही मानव के उपयोग हेतु उपलब्ध है। सोचो, अगर इस 1 प्रतिशत जल को भी हम यूं ही व्यर्थ में बहा देंगे तो इस्तेमाल करने के लिए जल की पूर्ति कहां से संभव हो पाएगी, यह एक ज्वलंतनीय विषय है, जिस पर समाज में बात व गहन विचार करने की आवश्यकता है। नगरीकरण व औद्योगिकीकरण की तीव्र गति व बढ़ता प्रदूषण तथा जनसंख्या में लगातार वृद्धि के साथ प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है। जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है, देश के कई हिस्सों में पानी की समस्या विकराल रूप धारण कर लेती है। लेकिन हम हमेशा यही सोचते हैं कि बस जैसे-तैसे गर्मी का सीजन निकल जाए, बारिश आते ही पानी की समस्या दूर हो जाएगी और यह सोचकर जल संरक्षण के प्रति बेरुखी अपनाए रहते हैं। हमारा यही असंवेदनशील रवैया हमें कल जल से वंचित करवाएगा, यह स्पष्ट है। शुद्ध पेयजल की अनुपलब्धता और संबंधित ढेरों समस्याओं को जानने के बावजूद देश की बड़ी आबादी जल संरक्षण के प्रति सचेत नहीं है। जहां लोगों को मुश्किल से पानी मिलता है, वहां लोग जल की महत्ता को समझ रहे हैं, लेकिन जिन्हें बिना किसी परेशानी के जल मिल रहा है, वही बेपरवाह नजर आ रहे हैं। आज भी शहरों में फर्श चमकाने, गाड़ी धोने और गैर-जरूरी कार्यों में पानी को निर्ममतापूर्वक बहाया जाता है। प्रदूषित जल में आर्सेनिक, लौहांश आदि की मात्रा अधिक होती है, जिसे पीने से तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी व्याधियां उत्पन्न हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया भर में 86 फीसदी से अधिक बीमारियों का कारण असुरक्षित व दूषित पेयजल है। वर्तमान में करीब 1600 जलीय प्रजातियां जल प्रदूषण के कारण लुप्त होने की कगार पर हैं, जबकि विश्व में करीब 1.10 अरब लोग दूषित पेयजल पीने को मजबूर हैं और साफ पानी के बगैर ही अपना गुजर-बसर कर रहे हैं। जल संरक्षण को हम सभी को अपने दैनिक जीवन का संकल्प बनाना होगा तथा इसे मानसिक से व्यावहारिक स्तर पर लाना होगा। हमें जल व वातावरण को अपने पूर्वजों की देन नहीं समझना, बल्कि इसे तो हमने अपनी आने वाली पीढ़ी के उद्धार स्वरूप लिया है, जिसे हमने जिस मात्रा व रूप में लिया है, उसे उसी रूप व मात्रा में दोबारा वापस करना है, ऐसी मानसिकता व धारणा के साथ जब सभी व्यक्ति जल जैसे सीमित संसाधनों का उपभोग करेंगे तभी इनका संरक्षण संभव हो सकता है।

विलुप्त हो रहे गोडावण का संरक्षण केवल सरकार नहीं, सबकी जिम्मेदारी

प्रकृति प्रेमियों के लिए यह खबर खुश कर देने वाली है। जैसलमेर के सुदासरी गोडावण ब्रीडिंग सेंटर में कृत्रिम गर्भाधान यानी आर्टिफिशल इनसेमिनेशन (एआई) से विलुप्त हो रहे गोडावण का चूजा को पैदा किया गया है। भारत दुनिया का पहला देश है, जिसने इस तकनीक का इस्तेमाल किया है। गोडावण राजस्थान का राज्य पक्षी भी है और वन विभाग के अनुसार अब केवल यह 173 ही बचे हैं। वैसे तो गोडावण पक्षी की उत्पत्ति अफ्रीका में हुई है। अपनी यायावरी प्रवृत्ति के चलते यह पक्षी भारत आ गया। पहले यह पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु और पड़ोसी देश पाकिस्तान में घास के मैदानों में पाया जाता था। अत्याधिक शिकार के कारण अब यह केवल राजस्थान की रेतीली भूमि पर पाया जाता है। इसे ग्रेट इंडियन बस्टर्ड भी कहते हैं। इंसान और प्रकृति के बीच की जंग का खामियाजा गोडावण ने उठाया है। सदियों से इंसान इसका शिकार करता आ रहा है। पूर्व में शिकारी गोडावण के घोंसले या चूजों को घेरकर उनके चारों ओर घास-फूंस जमाकर आग लगा देते थे। चूजों या घोंसले को बचाने मादा गोडावण आती और पंखों से जब आग बुझाने की कोशिश करती है तो पंख जल जाते हैं। इसके बाद शिकारी मां गोडावण का शिकार कर लेते हैं। आधुनिक काल में स्वचलित हथियारों ने गोडावण का शिकार बेहद आसान कर दिया। फिर रेगिस्तान में विकास योजनाओं ने गोडावण के अस्तित्व पर संकट खड़ा किया है। जैसलमेर में पिछले कुछ वर्षों में सोलर और विंड एनर्जी के सैकड़ों प्रोजेक्ट शुरू हुए हैं। पूरे क्षेत्र में बिजली के तारों का एक पूरा जाल बिछा हुआ है। अक्सर गोडावण इन तारों में उलझ कर मर जाते हैं। बिजली के तारों से लुप्तप्राय हो रहे इस पक्षी के संरक्षण के प्रयासों को बड़ा धक्का लग रहा है। जैसलमेर के डेजर्ट नेशनल पार्क में गोडावण का आवारा कुत्ते शिकार कर लेते हैं। भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम- 1972 के तहत गोडावण संरक्षित श्रेणी में आता है। वर्ष 1981 में राजस्थान ने इसे राज्य पक्षी घोषित किया, लेकिन इसके संरक्षण के प्रयासों को लेकर जून, 2013 में तब गति मिली, जब राजस्थान सरकार ने प्रोजेक्ट ग्रेट इंडियन बस्टर्ड शुरू किया। हालांकि, वर्ष 2018 के बाद गोडावण की गिनती नहीं की गई है। तब की गणना के अनुसार 125 गोडावण डेजर्ट पार्क और 29 ब्रीडिंग सेंटर में थे, जबकि पांच दशक पहले इनकी संख्या 1500 के करीब थी। वर्ष 2019 में 63 गोडावण अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गए थे, जहां 49 का शिकार कर लिया गया। दरअसल, राजस्थान से इनके पलायन का मुख्य कारण इंसानी हस्तक्षेप, अवैध खेती और ऊर्जा कंपनियों की हाईटेंशन लाइनों को माना जाता है। वर्ष 2020 में गुजरात के गांधीनगर में प्रवासी पक्षियों पर आयोजित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत-पाकिस्तान ने एक समझौता किया था, जिसमें गोडावण के अंतरराष्ट्रीय संरक्षण की बात कही गई। इसी समझौते के बाद पाकिस्तान में गोडावण के शिकार पर पाबंदी लगाने पर जोर दिया जाने लगा। अब गोडावण को कृत्रिम गर्भाधान से पैदा कर एक ऐतिहासिक कदम आगे बढ़ाया गया है। इस सफलता के बाद गोडावण का स्पर्म बैंक बनाने और इनकी जनसंख्या को बढ़ाने में निश्चित रूप से मदद मिलेगी। हालांकि, पिछले कुछ सालों के प्रयासों से डेजर्ट नेशनल पार्क, जैसलमेर में इनकी संख्या में थोड़ा इजाफा जरूर हुआ है। डेजर्ट नेशनल पार्क को 1.2 मीटर ऊंचे और 2-3 किलोग्राम के गोडावण के लिए सबसे सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि यहां इसके प्रजनन की अनुकूल परिस्थितियां हैं।

आर्टिकल 370 के प्रस्ताव पर फंस गई कांग्रेस, विधानसभा में खुलकर नहीं कर पा रही है समर्थन और विरोध

आज का राशिफल

मेष : [illegible]

वृषभ : [illegible]

मिथुन : [illegible]

कर्क : [illegible]

सिंह : [illegible]

कन्या : [illegible]

तुला : [illegible]

वृश्चिक : [illegible]

धनु : [illegible]

मकर : [illegible]

कुंभ : [illegible]

मीन : [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5409

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5408

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5409

संकेत: बाएं से दाएं
1. [illegible] (3)
4. [illegible] (2)
5. मल्लिका, फूलों का हार (2)
6. [illegible] (4)
8. [illegible] (5)
11. [illegible] (3)
12. [illegible] (4)
14. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
16. [illegible] (2)
17. प्रभाव, लक्षण (2)
18. [illegible] (3)
22. [illegible] (2)
24. [illegible] (4)
25. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे
1. [illegible] (2)
2. [illegible] 1954 में हुआ था (3)
3. [illegible] (5)
4. [illegible] (2)
6. [illegible] (2)
7. कलह, वैमनस्य (3)
9. [illegible] (2)
10. [illegible] (3)
11. [illegible] (4)
13. [illegible] (5)
15. [illegible] (2)
19. [illegible] (2)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5408 का हल

बो	छि	लि	या		प	ला	ऊ
ला		का	म		स	मा	न
ली	वा	र		कु	ली		
बे	का		तु	क		ग	ध
द	है		म	रा	ठी		ह
क	र	ना		अ	का	ड़	ना
र		र	फू		आ		ता
ना	प	ना		म	ना	ली	

मामला:शासकीय महाविद्यालय मंदसौर की जमीन पर भूमाफियाओं के कब्जे का...

चंदवानी ने मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री को सौंपा था ज्ञापन

अब तक जिला प्रशासन ने नहीं की कार्यवाही, अनशन पर बैठने की तैयारी में जनभागीदारी अध्यक्ष और विद्यार्थी

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर शासकीय पीजी कॉलेज की बेशकीमती जमीन अफीम गोदाम रोड महिला मंडल स्कूल के सामने से लेकर बीएसएनएल ऑफिस तक हैं जिस पर कुछ कतिपय लोगों द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है और इसे बेचने का प्लान बना रहे है। इसे लेकर कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी मुख्यमंत्री, उच्च शिक्षा मंत्री और प्रभारी मंत्री को ज्ञापन सौंप चुके है लेकिन जिला प्रशासन द्वारा अब तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है। 28 अक्टूबर को अतिक्रमणकताओं द्वारा जमीन पर कब्जा कर निर्माण करने का प्रयास भी किया गया था जिसकी जानकारी लगते ही प्रधानमंत्री एक्सीलेंस कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी मौके पर पहुंचे और अतिक्रमणकताओं से स्पष्टकहा कि यह जमीन कॉलेज की है इस पर किसी प्रकार का कब्जा न करें। जानकारी कॉलेज के विद्यार्थियों को भी लगी और कॉलेज में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी भी मौके पर पहुंचे थे और अतिक्रमणकताओं का विरोध किया। इसके बाद 29 अक्टूबर को मंदसौर आयें मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार को ज्ञापन सौंपकर मामले की जानकारी दी थी जिसके बाद भी आज दिनांक तक जिला प्रशासन द्वारा उक्त मामले को लेकर कोई संज्ञान नहीं लिया गया है।

जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि अफीम गोदाम रोड पर मंदसौर के शासकीय कॉलेज की लगभग 5 बीघा जमीन है जिस पर दो स्थानों पर कतिपय लोगों द्वारा अतिक्रमण किया जा रहा है। पूर्व में भी 1 अक्टूबर को जिला योजना समिति की बैठक में प्रभारी मंत्री सुश्री निर्मला जी भूरिया को दस्तावेजों के साथ एक ज्ञापन सौंपा था जिसमें अतिक्रमण कताओं से कॉलेज की जमीन मुक्त करवाने की मांग की गई थी उसी दौरान प्रभारी मंत्री ने तुरंत कलेक्टर को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये थे लेकिन जिला प्रशासन द्वारा इस ओर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। इसके बाद 29 अक्टूबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदरसिंह परमार को भी ज्ञापन सौंपकर पूरी जानकारी दी गई आपके द्वारा भी जिला प्रशासन को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया लेकिन आज दिनांक तक कोई कार्यवाही जिला प्रशासन द्वारा नहीं की गई और नाहीं जिला प्रशासन के अधिकारी मौका मुआयना करनें आयें। जिसके कारण अतिक्रमणकताओं के हौंसले बुलंद होने लगे है। सूत्र बताते है कि जिला प्रशासन के रवैये से नाराज कॉलेज जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी और कॉलेज के विद्यार्थी मामले को लेकर अनशन पर बैठ सकते है।

श्री पशुपतिनाथ संस्कृत पाठशाला के बटूक चयनित हुए योग ऋषि स्वामी रामदेवजी के राष्ट्रीय योग चैलेंज प्रतिस्पर्धा में

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। योग ऋषि स्वामी रामदेव जी की इंडिया टीवी पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिदिन प्रात: 8.30 बजे समूह में दी जा रही योग चैलेंज प्रतिस्पर्धा दंड बैठक में मंदसौर से भगवान पशुपतिनाथ की संस्कृत पाठशाला के बटूकों का हुआ चयन। प्रशिक्षण पतंजलि योग गुरु श्री बंसीलाल टॉक द्वारा दिया गया।

सक्षम मालवा प्रांत सचिव डॉ. रविन्द्र पाण्डेय ने बताया कि स्वामी रामदेव जी के द्वारा प्रतिदिन विभिन्न आसनों मैं से किसी एक आसन अथवा एक व्यायाम का जो चैलेंज दिया जाता है उसमें संपूर्ण राष्ट्र के सैकडों प्रतिभागियों द्वारा भाग लेकर प्रतिस्पर्धा के जो वीडियो भेजे जाते हैं इनमें विदेश के भी वीडियो सम्मिलित रहते हैं जिनमें से केवल,5 या 6 वीडियो जो सर्वश्रेष्ठ होते हैं उनका चयन किया जाता है। इसी श्रृंखला में पूर्व में एकल अर्थात व्यक्तिगत योग चैलेंज हाथों के बल पर उतीष्ठपद्मासन में योग गुरु टांक जी का चयन हो चुका है। राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही योग प्रतिस्पर्धा में मंदसौर नगर का नाम भी सम्मिलित होना यह नगर और योग गुरु टांक जी के लिए बडे गौरव सम्मान का विषय है। उल्लेखनीय है कि टांक जी जमीन पर ही नहीं नदी अथवा कुए के जल में बहुत देर तक योग और प्राणायाम के माध्यम से सुप्त पद्मासन लगा सकते हैं। 82 वर्षीय योग गुरु टांक जी योग प्राणायाम के साथ ही जिस प्रकार स्पूर्ति से व्यायाम दंड बैठक आसन आदि लगाते हैं यह आज की युवा पीढी के लिए बहुत बडी प्रेरणा है। यह भी उल्लेखनीय है कि कोरोना काल में चिकित्सालयों में जगह नहीं रहने से तत्कालीन माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह जी चौहान के निर्देश पर तत्कालीन जिला कलेक्टर श्री मनोज पुष्प जी द्वारा आइसोलेट में भरती कोरोना ग्रसित रोगियों को योग प्राणायाम के द्वारा स्वस्थ करने के निर्देश पर टांक जी के द्वारा कोरोना कंट्रोल रूम डाइट से प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से 11 बजे तक ऑनलाइन कोरोनावायरस से ग्रसित 7000 रोगियों को पॉजिटिव से नेगेटिव कर स्वस्थ किया था। एक प्रकार से योग गुरु बंसीलाल जी टांक नगर के आइकॉन है।

जल की हर एक बूंद होगी संरक्षित-कलेक्टर

जिले की ग्राम पंचायतों में जल चौपाल आयोजित, जल चौपाल में ग्रामीणों के सहयोग से किए गए बोरी बंधान

नीमच, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जलशक्ति अभियान, अटल भूजल कार्यक्रम और मनरेगा के तहत कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में बुधवार को नीमच जिले की सभी 243 ग्राम पंचायत में नोडल अधिकारियों की उपस्थिति में जल चौपाल आयोजन शुरुआत की गई है। ग्राम कड़ी खुर्द में आयोजित जल चौपाल का कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने निरीक्षण कर जायजा लिया और जल चौपाल में ग्रामीणों से चर्चा कर जल संरक्षण कार्यो के बारे में प्रेषित किया।

जल चौपाल में सभी ग्राम पंचायतों में जल संचयन एवं जल संरक्षण संबंधी अभी तक हुए कार्य एवं भविष्य की आवश्यकताओं पर चर्चा कर आगामी समय में किए जाने वाले कार्यों को सूचीबद्ध करने का कार्य किया जा रहा है। इसमें ग्रामीण विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं मे प्रावधान अनुसार हितग्राही मूलक एवं सामुदायिक कार्य चिन्हित कर प्रारंभ भी कराए जाएंगे। जल चौपाल का आयोजन बुधवार को जिले की 34 ग्राम पंचायतों में सम्पन्न हुआ। कलेक्टर श्री चंद्रा द्वारा प्रत्येक जल चौपाल हेतु ग्रामीण विकास विभाग के उपयंत्री एवं पंचायत समन्वयक अधिकारियों को नोडल अधिकारी एवं उनके निरीक्षण हेतु जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों को निरीक्षणकर्ता अधिकारी नामांकित किया गया है एवं उक्त अभियान से संबंधित कार्यों की विस्तृत प्रशिक्षण गत दिवस समय सीमा की बैठक में सभी अधिकारियों को प्रदान किया गया है। जल चौपाल के साथ ही जिले की सभी ग्राम पंचायतों में बोरी बंधान के कार्य भी किए गए। अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती लक्ष्मी गामड द्वारा बोरखेडी कला ग्राम में जल चौपाल में उपस्थित होकर ग्राम पंचायत द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण के कार्यों की निरीक्षण भी किया गया।

ई-नगर पालिका के माध्यम से नागरिकों को मिलेगी त्वरित सेवा

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा प्रदेश के सभी 413 नगरीय निकायों को कम्प्यूटरीकृत करने के उद्देश्य से वेब आधारित ई-नगर पालिका योजना प्रारंभ की गई है। यह परियोजना डिजिटल इंडिया के उद्देश्य को बढावा देने तथा पारदर्शी एवं त्वरित नागरिक सेवा देने के लिये ई-गवर्नेंस का अनूठा उदाहरण है। ई-नगर पालिका द्वारा नगरीय निकायों द्वारा समस्त नागरिक सेवाओं, जन शिकायत सुविधा, निकायों की आंतरिक कार्य प्रणाली, समस्त भुगतान एवं बजट प्रक्रिया को एकीक्रत कर ऑनालइन सुविधा प्रदाय की जा रही है। मध्यप्रदेश ऐसा पहला राज्य है, जहां प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों को एक सिंगल पोर्टल पर लाया गया है।

22 नागरिक सेवाएं–ई-नगर पालिका 1.0 को डेटाबेस के साथ प्लेटफार्म पर विकसित किया गया। वर्तमान में ई-नगर पालिका के माध्यम से 22 नागरिक सेवाएं प्रदाय की जा रही हैं, इसमें 15 मॉड्यूल शामिल हैं। ई-नगर पालिका का विभिन्न विभागों जैसे उद्योग, राजस्व, पंजीयन विभाग और भारत सरकार के महत्वपूर्ण मोबाइल एप उमंग से भी एकीकृत किया गया है। ई-नगर पालिका 1.0 पोर्टल के माध्यम से दी जा रही सभी नागरिक सेवाओं और विभागीय कार्यों को और बेहतर, सरल तथा सुगम बनाये जाने के उद्देश्य से वर्तमान में विभाग द्वारा ई-नगर पालिका परियोजना के द्वितीय चरण का विकास, क्रियान्वयन और संचालन नई टेक्नोलॉजी एवं उपकरणों के अनुसार कराये जाने का निर्णय लिया गया है। इसके अंतर्गत 16 मॉड्यूल और 24 नागरिक सेवाएं शामिल होंगी। भौतिक संरचना को क्लाउड सेवाओं द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा। ई-नगर पालिका 2.0 में जीआईएस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भी उपयोग किया जायेगा।

ई-नगर पालिका 2.0–कॉमन सर्विस सेंटर, एम ऑनलाइन, कियोस्क सेंटर और भुगतान गेटवे के साथ ई-नगर पालिका 2.0 का एकीकरण किया जायेगा। इससे जुड़ी सभी प्रक्रियाएं पूरी की जा चुकी हैं। ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल के विकास के लिये 2 वर्ष तथा 5 वर्ष का जांच चयनित वेंडर द्वारा किया जायेगा।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह सम्पन्न

मनासा, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। माननीय अध्यक्ष एवं प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश के निर्देश पर आज दिनांक 06.11.2024 को न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह का आयोजन किया गया। न्यायाधीशगण सुश्री शिवांगीसिंह परिहार एवं सुश्री प्रीति परिहार द्वारा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत आज विद्यालय आधारशिला एकेडमी मनासा पर जाकर वहाँ पर छोटे-छोटे छात्र एवं छात्रा से बातचीत की गई, जिसमें उन बच्चों से भविष्य में क्या बनना चाहते हो, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, कानून से संबंधित और इस स्कूल में कैसा पढ़ाते है, आदि समान्य प्रश्न किया गया। न्यायाधीशगण के साथ में पैरालीगल वॉलंटियर श्री धीरज राठौर एवं विद्यालय के संचालक श्री चंद्रशेखर नागदा तथा प्राचार्य श्रीमती ममता नागदा उपस्थित थे।

मंदसौर जिले के 167 करोड़ में से 86 करोड़ के विकास कार्य मंदसौर विधानसभा के लोकार्पित

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर विधानसभा क्षेत्र में लगातार विकास करने का प्रयास किया जिसमें ग्राम साबाखेडा में सीएम राइस स्कूल बना और विभिन्न सडको और पुल-पुलियाओं का निर्माण मेरी क्षेत्र के विकास की प्राथमिकताओं की सूची में सम्मिलित था, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इन्हें स्वीकृत किया और आज निर्माण पूरा हुआ जिन्हें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जनता को लोकार्पित किया। अब पूरे क्षेत्र की जनता इससे लाभान्वित होगी। 86 करोड की लागत से हुए इन विकास कार्यो को लोकार्पित करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ यादव का आभारी हूं।

यह बात मन्दसौर विधानसभा के पूर्व विधायक और प्रदेश भाजपा प्रवक्ता यशपालसिंह सिसोदिया ने कहते हुए बताया कि 29 अक्टूम्बर 2024 को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर मे श्री सुंदरलाल पटवा शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय (मेडिकल कॉलेज) का लोकार्पण किया इस अवसर पर डॉ. यादव ने मंदसौर जिले के 167 करोड रूपये के 11 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भुमिपूजन भी किया जिसमे 86 करोड रूपये के लोकार्पण कार्य मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के सम्मिलित है जिसके अंतर्गत ग्राम साबाखेडा में सी.एम. राईज स्कूल (लागत 33 करोड 56 लाख), सडको के निर्माण में ग्राम भावगढ दलौदा मार्ग- लागत 82 करोड 38 लाख रूपये, ग्राम जवासिया से रांकोदा, ग्राम नावनखेडी से टोलखेडी, ग्राम धाकडखेडी से छाजूखेडा, ग्राम अमलावद से ग्राम गुराडिया मार्ग के हनुमंति फंटा से निम्बाखेडी सडक मार्ग-लागत 9 करोड 13 लाख रूपये तथा रामनगर से चौसला तक सडक मार्ग- लागत 1 करोड 23 लाख रूपये शामिल है।

पूर्व विधायक श्री सिसौदिया ने बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान के मुख्यमंत्रीतत्व कार्यकाल मे मेरे अनुरोध पर चाही गई प्राथमिकता के आधार पर मैने ग्राम साबाखेडा मे सी.एम. राईज स्कूल को चयनित किया था तथा सहको के निर्माण में मुझसे सडक निर्माण के लिये प्राथमिकता चाही गई थी तद्नुसार मैने उल्लेखित सडकों के (पुल-पुलियाओं सहित) निर्माण किये जाने की मांग रखते हुये अनुरोध किया था जिस पर राज्य शासन ने विकास निर्माण को लेकर इन कार्यों की सौगात क्षेत्रवासियो को दी थी, मैं आभारी हूं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का जिन्होने सी.एम. राईज स्कूल ग्राम साबाखेडा तथा सभी सडकों के (पुल-पुलियाओं सहित) निर्माण की पूर्णता को सम्मिलित रखते हुये उन्हे लोर्कापित किया है।

कमलाशंकर विश्वकर्मा को मिला सम्मान

मनासा, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। आनंद विभाग के राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का एक सम्मेलन भोपाल में 5 नवंबर को कुशाभाऊठाकरे सभागार (मिंटो हॉल) भोपाल में आयोजित किया गया। जहां पर विभाग की आगामी कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें प्रदेश के सभी जिलों से लगभग 128 मास्टर ट्रेनर सम्मिलित हुए। विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरुण शमी एवं राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष कुमार ने स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर्स को आनंद के प्रचार प्रसार एवं विभागीय कार्यक्रमों में वालेंटियर के रूप में योगदान के लिए सम्मानित किया। जिसमें नीमच जिले से एकमात्र मास्टर ट्रेनर श्री कमलाशंकर विश्वकर्मा को सम्मानित किया गया।

महारानी लक्ष्मीबाई शास कन्या उमावि नीमच सिटी में साइकिल वितरण सम्पन्न

नीमच, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। छात्राओं को साईकिल मिलने से उनकी पढाई और आसान होगी। छात्राओं को अपने जीवन को एक नया रूप देने के साथ अपने लक्ष्य तक पहुंचाने में यह साइकिल कारगर साबित होगी।

उक्त आशय के उद्गार विधायक दिलीपसिंह परिहार ने बुधवार 6 नवम्बर को महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमच सिटी में आयोजित साइकिल वितरण कार्यक्रम में छात्राओं को साइकिल वितरण करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की उपस्थित व बच्चों, अभिभावकों और विद्यालय स्टाफ से संवाद किया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चौपड़ा, मंडल अध्यक्ष योगेश जैन, महामंत्री दारासिंह यादव, दुर्गेश शर्मा, संतोष पंजाबी, वार्ड पार्षद दुर्गाशंकर भील, मनोज माहेश्वरी, राजेश कसेरा, सतीश ग्वाला, जीशान कुरैशी, विद्यालय प्राचार्य श्री बनोधा, शिक्षकगण एवं बडी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

**** सफलता की कहानी ****

वीरेंद्र एकीकृत बागवानी मिशन का लाभ लेकर साल के कमा रहे 14 लाख रु.

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। उद्यानिकी विभाग के माध्यम से संचालित की जा रही योजना एकीकृत बागवानी मिशन योजना का आज के समय में किसान भरपूर लाभ उठा रहे हैं। इस योजना का लाभ लेकर कई किसान लखपति भी हुए हैं। इसी का एक उदाहरण है वीरेंद्र पाटीदार (7489096793)। सीतामऊतहसील ग्राम गोपालपुर के रहने वाले हैं। वीरेंद्र ने इस योजना का लाभ वर्ष 2020-21 में लिया। इस योजना के माध्यम से वीरेंद्र को 1 लाख 20 हजार का अनुदान प्राप्त हुआ। अनुदान की मदद से इन्होंने अपने पांच बिगा खेत में यूएनआर रायपुर प्रजाति के 1800 अमरूद के पौधे लगाए। सभी पेड तीन से चार वर्ष के हो चुके हैं और एक पौधे से इनको 30 से 40 किलो अमरूद प्राप्त होता हैं। वीरेंद्र का कहना है कि अभी अमरूद के पौधे छोटे हैं। जब पौधे और बडे होंगे, तो इनकी उत्पादन क्षमता और अधिक बढेगी। बाजार से इनको एक किलो अमरूद के बदले 50 से 70 रुपए मिलते है। अमरूद की खेती के दाम पर वीरेंद्र साल भर में 14 लाख रुपए कमा लेते हैं। इसके साथ ही 10 से 15 मजदूर को रोजगार भी दे रखा है, जो की बागवानी की खेती में काम करते हैं। इनके अमरूद शुगर फ्री है और इन अमरूद की बाजार में मांग बहुत रहती है। इनके अमरूद की मांग इतनी रहती है कि इनको बाजार में बेचने की जरूरत नहीं पडती है। जबकि व्यापारी स्वयं उनके खेत से आकर ही सारे फल ले जाते हैं।तापमान मापक यंत्र भी किसान ने खेत में लगा रखा है, जिससे यह पता चलता है कि खेत में पानी कब देना है, खेत में नमी कितनी है एवं यंत्र से मौसम की जानकारी भी मिल जाती है।

एक बार फिर सजेगा मानवता का समागम, निरंकारी संत समागम की तैयारियों का सौंदर्य

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की असीम कृपा से संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा में हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी निरंकारी परिवार का 77वां वार्षिक संत समागम 16, 17 एवं 18 नवंबर 2024 को आयोजित होने जा रहा है। आध्यात्मिकता का आधार लिए इस समागम पर प्रेम, शांति और एकत्व का संदेश दिया जाता है, जो निसंदेह समस्त मानवता के कल्याण के लिए होता है। सर्वविदित है कि इस संत समागम की भव्यता केवल इसके क्षेत्रफल से रेखांकित नहीं होती, बल्कि यहाँ देश-विदेश से पधारने वाले लाखों श्रद्धालु भक्तों के भावों से इंगित होती है। निरंकारी संत समागम मानवता का एक ऐसा दिव्य संगम होता है जहां धर्म, जाति, भाषा, प्रांत और अमीरी-गरीबी आदि के बंधनों से उप्पर उठकर सभी मर्यादित रूप से प्रेम और सौहार्द के साथ सेवा, सुमिरण और सत्संग करते हैं। यह उसी सन्देश का अनुसरण है जो सभी संतों, पीरों और गुरुओं ने समय-समय पर दिया है। इस तीन दिवसीय संत समागम में भक्ति के अनेक पहलुओं पर गीत, विचार और कविताओं आदि के माध्यम से भक्त अपने शुभ भाव प्रकट करेंगे। सतगुरु माता जी और निरंकारी राजपिता जी के प्रवचनों का अनमोल उपहार भी सभी को प्राप्त होगा। इस वर्ष सतगुरु माता जी ने समागम का विषय दिया है- विस्तार, असीम की ओर ।

निरंकारी संत समागम के विशाल रूप को प्रभावशाली और सुचारु रूप से आयोजित करने के लिए निरंकारी मिशन के भक्त एवं सेवादार देश के कोने-कोने से महीनों पहले ही आकर अपनी निष्काम सेवाएं समर्पित करते हुए तैयारियों में जुट जाते हैं। समागम सेवाओं का यह दृश्य अपने आप में अत्यंत प्रेरणादायक और मनोरम होता है। इस वर्ष भी देखा गया कि प्रात: काल से ही सेवाएं प्रारम्भ हो जाती हैं जहाँ हर आयु-वर्ग के नर-नारी अनेक प्रकार की सेवाओं को सरंजाम दे रहे हैं। सेवादारों के हाथों में मिट्टी के तसले होते हैं और जुबान पर भक्ति भाव से भरे मधुर गीत। कहीं जमीन को समतल किया जा रहा है तो कहीं टेंट लगाए जा रहे हैं। सेवादल की वर्दी में भी नौजवान भाई- बहन अपने अधिकारियों के निर्देशानुसार ग्राउंड पर अनेक प्रकार की सेवाओं में रत्त हैं। लंगर, कैंटीन, प्रकाशन और ऐसी अनेक सुविधाएँ सुचारु रूप से चल रही हैं, जिनका रूप आने वाले दिनों में और विशाल होता चला जायेगा। देखने में जो सामाजिक गतिविधि लग रही है, उसका आधार पूर्णत: आध्यात्मिक है। सभी एक-दूसरे में परमात्मा का रूप देखकर एक-दूसरे के चरणों में धन निरंकार जी कहते हुए झुक रहे हैं। विद्या ददाति विनयम का ये जीवंत उदाहरण प्रतीत होता है। सबके चेहरों पर एक रूहानी आभा है, जो उनके मन के विश्वास और संतोष को प्रकट कर रही है। सेवा कर रहे इन भक्तों के हर्ष और आनंद की पराकाष्ठा तब देखने को मिलती है, जब सेवा करते हुए उन्हें अपने सतगुरु के दर्शन हो जाते हैं। उस पल गुरसिखों के हृदय झूमने लगते हैं, गाने लगते हैं, नाचने लगते हैं। इसी स्वर्गीय नजारे का सभी श्रद्धालु पूरा साल इंतजार करते हैं। संत निरंकारी मंडल के सचिव एवं समागम के समन्वयक श्री जोगिन्दर सुखीजा ने बतलाया की सभी संतों के रहने, भोजन, शौच, स्वास्थ्य, सुरक्षा, आगमन-प्रस्थान व अन्य सभी मूल-भूत सेवाओं की तैयारी की जा रही है। राज्य के प्रशासन से भी हर प्रकार का सहयोग प्राप्त हो रहा है और समागम के आयोजन से जुडे हर वैधानिक पहलू को ध्यान में रखते हुए ही सारी व्यवस्था की जा रही है। कुछ ही दिनों में ये आध्यात्मिक स्थल एक भक्तिकेनगर का रूप ले लेगा जहाँ विश्व से लाखों संत महात्मा सम्मिलित होंगे। मानवता के इस महासंगम में हर धर्म-प्रेमी भाई-बहन का हार्दिक स्वागत है। यह जानकारी मंदसौर मीडिया सहायक शीतलदास कोतक ने दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	852	2140	2490
उडद	99	5953	7576
सोयाबीन	6000	3450	4600
गैहु	2300	2701	3380
चना	117	6000	6840
मसुर	81	5500	6500
धनिया	130	5400	6891
लहसुन	12000	12000	27551
मैथी	445	5400	6891
मुंगफली	6000	3500	5151
अलसी	1030	5950	6255
सरसो	206	5500	6120
तारामीरा	4	4441	4441
इसबगोल	60	10011	13201
प्याज	5500	2050	4400
कलोंजी	2	15000	17599
तुलसी बीज	4	18801	20161
डॉलर	47	9501	13000
तिल्ली	47	11100	12363
जौ	5	2525	2600
मटरसुखी	10	4800	6400
असालीया	17	10000	12651
चिया	2	13912	115912

सिविल सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण का अनुसमर्थन

नवीन मेडिकल कॉलेज में प्राध्यापकों की भर्ती की आयु सीमा की गई 50 वर्ष, मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश सिविल सेवा (महिलाओं की नियुक्ति के लिए विशेष उपबंध) नियम, 1997 में मुख्यमंत्री के आदेश दिनांक 13.09.2023 एवं इसके परिपालन में विभाग द्वारा जारी अधिसूचना 3 अक्टूबर, 2023 का अनुसमर्थन किया गया। इस निर्णय से महिला आरक्षण 35 प्रतिशत होगा।

254 नए उर्वरक विक्रय केंद्रों की स्थापना की स्वीकृति-मंत्रि-परिषद द्वारा वर्ष 2024-25 में (खरीफ एवं रबी सीजन में) 254 नए उर्वरक विक्रय केन्द्र स्थापित करने पर मानव संसाधन पर होने वाली संभावित व्यय की वास्तविक राशि अधिकतम 1 करोड 72 लाख रूपये की सीमा तक की प्रतिपूर्ति राज्य शासन द्वारा किए जाने का निर्णय लिया गया।

660 मेगावॉट क्षमता की नवीन अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई की स्थापना के लिए फिजिबिलिटी स्टडी- मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुडा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 (410 मेगावाट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 (420 मेगावाट) में स्थापित इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने का निर्णय लिया गया। उल्लेखनीय है कि म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुडा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 में स्थित इकाई क्रमांक 6 एवं 7 (200 + 210 मेगावॉट) एवं विद्युत गृह क्रमांक 3 में स्थित इकाई क्रमांक 8 एवं 9 (2द210 मेगावॉट) द्वारा स्थापित आयु पूर्ण कर ली गई है। ये इकाइयां लगभग 39 से 44 वर्षों से संचालन में है। इन इकाइयों की स्थिति एवं प्रदर्शन के दृष्टिगत म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा इन इकाइयों को रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने की चाही गई अनुमति मंत्रि-परिषद ने प्रदान की है। निर्णय अनुसार सतपुडा ताप विद्युत गृह, सारनी के विद्युत गृह क्रमांक 2 एवं 3 में स्थित इकाई क्रमांक 6 से 9 (कुल क्षमता 830 मेगावॉट) को 30 सितम्बर, 2024 से रिटायर (डी-कमीशन) किये जाने की अनुमति प्रदान की गई। रिटायर (डी-कमीशन) इकाइयों का डिस्पोजल ई-ऑक्शन के माध्यम से किया जायेगा। इन इकाईयों के स्थान पर 660 मेगावॉट क्षमता की नवीन अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल इकाई (इकाई क्रमांक 13) की स्थापना के लिए म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा फिजिबिलिटी स्टडी करायी जायेगी।

आयु-सीमा में वृद्धि का निर्णय- मंत्रि-परिषद द्वारा नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में चिकित्सा शिक्षकों की कमी को दृष्टिगत रखते हुए सहायक प्राध्यापक के रिक्त पदों पर नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष से बढ़ाकर 50 वर्ष करने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

सह चिकित्सीय पाठ्यक्रमों की मान्यता-म.प्र. सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम, 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही को लंबित रखते हुए शैक्षणिक सत्र 2023-24 एवं आगामी सत्रों की मान्यता प्रक्रिया, साथ ही सह-चिकित्सीय पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर्मियों के पंजीयन एवं सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का आयोजन पूर्व में प्रचलित म.प्र. सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम, 2000 अंतर्गत प्रचलित नियमों के अनुसार, पूर्व मंक विघटित मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद को पुनर्जीवित करते हुए, पूर्ण किये जाने तथा राष्ट्रीय आयोग द्वारा अधिनियम अंतर्गत प्रावधानित विनियम (रेगुलेशन) जारी होने के उपरांत विनियम के अनुरुप मध्यप्रदेश अलाइड एण्ड हेल्थ केयर कॉसिल द्वारा स्वशासी बोर्ड के गठन होने पर पुनर्जीवित मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद स्वत: समाप्त हो जायेगी एवं मंत्रि-परिषद् के पूर्व में लिये गये निर्णय अनुसार मध्यप्रदेश सह चिकित्सीय परिषद अधिनियम 2000 को निरस्त करने की कार्यवाही की जाने की स्वीकृति मंत्रि-परिषद द्वारा दी गई।

अन्य निर्णय-मंत्रि-परिषद द्वारा भारत सरकार, सहकारिता मंत्रालय द्वारा लागू की गई केन्द्र प्रवर्तित परियोजना 'डीशसीहिशलिशि षि उीशिरीलीशी हीशीसिह खडखशीशींलीशी' अन्तर्गत प्रदेश के पंजीयक सहकारी संस्थाएँ कार्यालय के कम्प्यूटराईजेशन के लिए परियोजना की सैद्धांतिक स्वीकृति दी गयी। इस पर 3 करोड 68 लाख रूपये व्यय आयेगा, जिसकी 60 प्रतिशत राशि केन्द्र एवं 40 प्रतिशत राशि राज्य शासन द्वारा वहन की जायेगी।

झूमा भारतीय शेयर मार्केट, अमेरिका में ट्रंप की जीत का असर...

सेंसेक्स 1000 अंक चढ़ा, निफ्टी 24400 के पार

नई दिल्ली, 06 नवम्बर। अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव परिणामों में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बढ़त पर बुधवार 6 नवम्बर को भारतीय शेयर बाजार ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले मंगलवार को अमेरिकी बाजार भी बढ़ते के साथ बंद हुए। बुधवार की सुबह आईटी शेयरों में मजबूती की बदौलत 12।18 मिनट पर सेंसेक्स 666।48 अंक चढ़कर 80,143।11 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 202।00 (0।83त्न) अंक मजबूत होकर 24,415।30 पर आ गया।

इससे पहले बुधवार भारतीय शेयर बाजार में हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। सुबह 9 बजकर 50 पर बीएसई सेंसेक्स 543।14 अंकों की बढ़त के साथ 80,017।16 पर पहुंच गया। दूसरी ओर, निफ्टी 168।50 अंक चढ़कर 24,381।80 पर पहुंच गया।

अमेरिकी चुनावी नतीजों का बाजार क्या असर पड़ने वाला है?- अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे आने के बीच वित्तीय और आईटी शेयरों में बढ़त के चलते बुधवार को भारतीय बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक, सेंसेक्स और निफ्टी 50 बढ़त के साथ खुले। इस बीच, अन्य एशियाई बाजारों में गिरावट देखी गई, जिसमें एमएससीआई एशिया एक्स-जापान सूचकांक 0।4 प्रतिशत गिर गया, क्योंकि शुरुआती अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों से पता चला कि मुकाबला अब भी बहुत करीबी है। मीडिया रिपोटर्स से पता चलता है कि ट्रम्प ने आठ राज्यों में जीत हासिल की है, जबकि हैरिस ने तीन राज्यों और वाशिंगटन, डीसी को सुरक्षित किया है। चुनाव टक्कर कांटे का है, अंतिम परिणाम सात स्विंग राज्यों पर निर्भर रहने की संभावना है।

ट्रंप-हैरिस की जीत के अलग-अलग मायने-विश्लेषकों का कहना है कि ट्रम्प की जीत से अमेरिका में कॉर्पोरेट कर की दरें कम हो सकती हैं, जिससे संभावित रूप से खर्च में वृद्धि होगी और भारत में कई इक्विटी क्षेत्रों को लाभ होगा। दूसरी ओर, हैरिस की जीत को नीति निरंतरता के संकेत के रूप में देखा जाता है, जिसका भारतीय शेयरों पर तटस्थ से लेकर हल्के-सकारात्मक प्रभाव पडने की उम्मीद है। सेंसेक्स के शेयरों में एचसीएल टेक, मारुति, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस , सन फार्मा और बजाज फिनसर्व बढ़त के साथ खुले, जबकि टाइटन टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचयूएल और कोटक महिंद्रा बैंक कटौती के साथ खुले।

टाइटन के शेयरों में 3 प्रतिशत की गिरावट-टाइटन के शेयर 3 फीसदी से अधिक गिरकर खुले, जब कंपनी ने बताया कि उसका दूसरी तिमाही का समेकित लाभ साल-दर-साल 23।1 फीसदी गिरकर 704 करोड़ रुपये रह गया, जिसका मुख्य कारण सीमा शुल्क में कटौती का प्रभाव है। इस बीच स्वास्थ्य सेवा की प्रमुख कंपनी डॉ रेड्डीज लैब्स के शेयरों में शुरुआती कारोबार में 3 फीसदी तक की तेजी आई, निफ्टी आईटी, फार्मा और रियल्टी में 1 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई, जबकि निफ्टी ऑटो, मीडिया, पीएसयू बैंक, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस में भी 0।5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई।

पिपलिया में जारी रामलीला का आयोजन, समापन आज

पिपलियामंडी, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। पुराना गाड़ी अड्डा में रामलीला का आयोजन जारी है। जिसमे प्रतिदिन विभिन्न प्रसंगों पर सजीव प्रस्तुति दी जा रही है। बुधवार रात्रि को भगवान हनुमान के लंका में प्रवेश पर प्रस्तुति दी गई। रामलीला मंडल के संचालक पंडित आलोक तिवारी (काशी बनारस) ने सभी अतिथियों का दुपट्टा पहना कर स्वागत किया । इस अवसर पर नप के पूर्व अध्यक्ष कचरमल राठौर, पत्रकार हितार्थ एवं सामाजिक कल्याण समिति अध्यक्ष जगदीश पंडित, आंचलिक पत्रकार संघ कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश बंसल, किशोर रोचानी, देवेंद्र कराडा, शम्भू मेक, जेपी तेलकार, रमेश झवर, देवीलाल सेठिया, बद्रीलाल पोरवाल, जमनादेवी रोचानी सहित बडी संख्या में धर्मप्रेमी मोजूद रहे। तिवारी ने बताया राम राज्य अभिषेक के साथ समापन 7 नवम्बर को होगा।

न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह अंतर्गत विद्यालयों में प्रतियोगिताओं का आयोजन

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन मेंजिला विधिक सेवा प्राधिकरणमंदसौर द्वारा न्यायोत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में विधिक सेवा से संबंधित विषयों पर निबंध, चित्रकला एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित निबंध प्रतियोगिता में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री सिद्धार्थ तिवारी ने विद्यार्थियों को विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को उक्त प्रतियोगिता में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर विधिक सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार और विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान भी उपस्थित रहे। सेंट थॉमस विद्यालय में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री तिवारी ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाया और विधिक जागरूकता का संदेश दिया।इसके साथ ही सरदार वल्लभभाई पटेल क्रमांक 2 विद्यालय, महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय उच्चतर माध्यमिक बालिका विद्यालय, नूतन माध्यमिक विद्यालय, और शासकीय बालिका विद्यालय बालागंज ,शासकीय एकीकृत कन्या विद्यालय ग्राम ढिकोला, शासकीय बालिका उच्चतर बालिका विद्यालय भानपुरा में भी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विधिक सेवा दिवस के अवसर पर 9 नवंबर 2024 को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रशस्ति पत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही सभी प्रतिभागियों को उनकी सहभागिता हेतु प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में पैरा लीगल वालंटियर श्रीमती सीमा नागर, श्रीमती सलमा सैयद, श्री संजय नीमा, श्री मुकेश आचार्य द्वारा भी सक्रिय सहयोग प्रदाय किया गया।

श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर पर चढ़ाई ध्वजा

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। धर्म जागरण एवं सनातन धर्म प्रेमियों के मन में धर्म के प्रति अलख जगाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया ध्वजा अभियान दीपावली के बाद पुन: शुरू हो चूका है। इसके चलते श्री न्यायपति तोपवाले बालाजी मंदिर कोर्ट परिसर पर ध्वजा का पूजन किया गया। हिंदूवादी भाजपा युवा नेता गौरव अग्रवाल के साथ धर्म प्रेमियों ने मंदिर के शिखर पर ध्वजा चढ़ाई। ध्वजा चढ़ाने के बाद सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके बाद सभी ने बालाजी महाराज की आरती की। गौरव अग्रवाल ने बताया की गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर यह अभियान प्रारंभ किया गया था। हम सभी का यह उद्देश्य है की शहर में धार्मिक माहौल बने और सनातन धर्म की अलख सभी के मन में जगाएं। युवा पीढ़ी को धर्म से जोड़ना और उन्हें ध्वजा का महत्व समझना ताकि नई पीढ़ी भी अपने धर्म को समझ सके। यह अभियान सतत जारी रहेगा और हर मंगलवार शनिवार को बालाजी मंदिरों पर ध्वजा चढ़ाने के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ और आरती होगी।

मप्र के हर थाने में सायबर डेस्क, जिले में सायबर थाना और राज्य स्तरीय कॉल सेंटर बनेगा

भोपाल, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के दुरुपयोग से बचने के लिए पुलिस को सतर्क रहने के लिए कहा है। मंत्रालय में गृह विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश पुलिस को 'फ्यूचर रेडी' यानी भविष्य के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है।

इसके लिए सूचना प्रौद्योगिकी की अद्यतन तकनीकों का उपयोग किया जाए। प्रत्येक थाने में सायबर डेस्क, हर जिले में सायबर थाना और राज्य स्तर पर कॉल सेंटर बनाया जाए। सायबर धोखाधड़ी से लोगों को बचाने के लिए सघन जागरूकता अभियान चले। हाल ही में बांधवगढ़ में 10 हाथियों की मौत के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन जिलों में वन्य पशुओं की गतिविधियों से जन जीवन प्रभावित होने या जन हानि की आशंका है वहां वन विभाग से समन्वय और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए पुलिस सक्रिय रहे।

पुलिस सोशल मीडिया पर निगरानी रखे-मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस सोशल मीडिया पर चलने वाली गतिविधियों और मैसेज आदि पर निगरानी रखे। भ्रामक, गलत खबर फैलाने वालों पर त्वरित कार्रवाई करें। कानून-व्यवस्था के साथ अन्य भ्रामक खबरों के बारे में संबंधित विभाग को तथ्यों की जांच करने के लिए कहें जिससे वस्तुस्थिति पता चल सके। नए क्रिमिनल कोड के संबंध में प्रशिक्षण दें। प्रत्येक प्रकरण की जांच और चालान प्रस्तुत करने के लिए आवश्यकतानुसार पेन ड्राइव, टेबलेट इत्यादि पुलिस स्टाफ को उपलब्ध कराने विभागीय स्तर पर बजट प्रविधान किया जाए। प्रत्येक संभाग में एफएसएल लैब बने। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ये भी दिए निर्देश-✻ एडीजी स्तर के अधिकारी नियमित रूप से संभाग स्तर पर दौरे और अपराधों की समीक्षा करें। ✻ उज्जैन में महाकाल मंदिर क्षेत्र के प्रबंधन के लिए मंदिर क्षेत्र में थाना स्थापित करें। ✻ महिला अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष प्रयास और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित गतिविधियां चलाएं। ✻ नाबालिग बालिकाओं के साथ दुष्कर्म के आरोपितों को कठोरतम दंड दिलाना सुनिश्चित करें। गुम बालिकाओं की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चले। ✻ संदिग्ध हुक्काबार, नाइट क्लब आदि पर भी निगरानी बढ़ाएं। नशीले पदार्थों कीं तस्करी को रोकने के लिए पड़ोसी राज्यों से समन्वय कर अंतरराज्यीय गिरोहों के विरुद्ध अभियान चलाएं। नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कड़ी निगरानी की जाए। ✻ पुलिसकर्मी और अधिकारी को स्वयं का आवास निर्मित करने के लिए विभाग की ओर से दी जाने वाली अनुमति और ऋण व्यवस्था की प्रक्रिया सरल बनाएं। समयबद्ध पदोन्नति हो। ✻ गौ-तस्करों पर भी कठोर कार्रवाई की जाए।

मार्च 2026 तक नक्सली गतिविधियों को पूरी तरह से खत्म करें- बैठक में मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में नक्सल विरोधी अभियान संबंधी बैठक में मार्च-2026 तक नक्सल गतिविधियों को पूर्णत: समाप्त करने का निर्णय लिया गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए प्रदेश के संभावित नक्सल क्षेत्र में सघन आपरेशन चलाया जाए। आवश्यकतानुसार हाकफोर्स की भर्ती की जाए।

जनसंख्या के अनुपात में पुलिसबल की भर्ती होगी-मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस अनुपात में पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हो रहे हैं उस अनुपात में प्रतिवर्ष भर्ती की की जाए। प्रदेश की जनसंख्या के अनुपात में यदि अधिक पुलिस बल की आवश्यकता हो तो उसके अनुसार भर्ती करें। आगामी वर्षों में पुलिसकर्मी और हर स्तर पर पर्याप्त बल उपलब्ध हो और प्रदेश में काडर मैनेजमेंट व्यवस्थित बना रहे। श्रेष्ठकार्य करने वाले पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्यस्तरीय 'रूस्तमजी' पुरस्कार पुन: प्रारंभ करें।

वैष्णवाचार्य पू.रघुनाथ लालजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। पुष्टिमार्गीय वैष्णवाचार्य सप्तम पीठ के पूज्य आचार्य 108 श्री रघुनाथ लालजी महाराज गोकुल का स्वर्गवास हो गया। श्री गोवर्धन नाथ मंदिर जीवागंज में पूज्य महाराज श्री को श्रद्धांजलि दी गई। आप श्री की तस्वीर के समक्ष भावांजलि दी गई। श्री गोवर्धन नाथ मंदिर केवरिष्ठट्रस्टी श्री राधा कृष्ण पारख, हेमंत भाई शाह, प्रबोध भाई पारख , सेवानिवृत न्यायधीश गिरिराज दास सक्सेना, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया, पारख समाज अध्यक्ष महेश भाई पारख, विनय पारख,पूर्व पार्षद उमेश पारिख वरिष्ठ पत्रकार ब्रजेश जोशी, जितेंद्र पारख,अशोक पारख,नटवर भाई पारख विजय पारख, गौरव रतनावत आदि वैष्णव जनों ने भावांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वैष्णव जन ओर मातृ शक्ति उपस्थित थे।

दीपावली मिलन समारोह 10 को दलौदा में

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर के तत्वाधान में दलौदा तहसील द्वारा आयोजित पूर्व सैनिक, सैनिक परिवार दीपावली मिलन समारोह का आयोजन रविवार 10 नवंबर 2024 प्रात: 10 बजे दलौदा कृष्णा पैलेस रेलवे फाटक के पास में आयोजित किया गया है। जिसमें पूर्व सैनिक सैनिक परिवार एवं वीर नारियां होंगे सम्मिलित। संगठन जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर पालड़ी ने जानकारी देते हुवे बताया कि सैनिक संगठन द्वारा प्रतिवर्ष सैनिक परिवार के साथ दो बड़े आयोजन जिले कि अलग-अलग तहसील में आयोजित किया जाता है जिसमें मुख्य है दीपावली मिलन समारोह और होली मिलन समारोह जो कि त्यौहार से एक हफ्ते बाद होता है। जिसमें पूर्व सैनिक व सैनिक परिवार शामिल होते है।

हाकी एवं बेसबाल 14 वर्ष बालक-बालिका प्रतियोगिता का समापन

मंदसौर, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 68वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी एवं बेसबॉल का समापन हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि सांसद श्री सुधीर गुप्ता,मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, जिला बेसबॉल संघ अध्यक्षश्री हिम्मत डांगी,राज्य स्तरीय ऑब्जर्वर श्री अनिल निकुम, खेल प्रकोष्ठ श्री बंशीलाल राठौर, जिला शिक्षा अधिकारी श्री लोकेंद्र डाभी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर श्री विजेंद्र देवड़ा, श्रीगौरव अग्रवाल मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत अगवानी सेंट थॉमस स्कूल बैंड द्वारा की गई।

अतिथियों के द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया।सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति नूतन हाई स्कूल एवं उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा दी गई। उद्बोधन के पश्चात विजेता, उपविजेताओं को मेडल,ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र अतिथियों के द्वारा दिया गया। हॉकी बालिका वर्ग में प्रथम ग्वालियर संभाग, द्वितीय उज्जैन संभाग, तृतीय भोपाल संभाग एवं बेसबॉल बालक वर्ग में प्रथम उज्जैन संभाग, द्वितीय इंदौर संभाग,तृतीय ग्वालियर संभाग और बालिका वर्ग में प्रथम उज्जैन संभाग,द्वितीय इंदौर संभाग,तृतीय सागर संभाग रहे। कार्यक्रम के संयोजक उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य श्रीमती विनीता प्रधान के द्वारा प्रतियोगिता का प्रतिवेदन वाचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना एवं श्री आशीष बंसल द्वारा तथा आभार प्रदर्शन जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री बंशीलाल द्वारा किया।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर को

नीमच, 06 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय नीमच तथा तहसील मुख्यालय मनासा, जावद एवं रामपुरा न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार वर्ष 2024 की चौथी नेशनल लोक अदालत का आयोजन 14 दिसम्बर, 2024 (शनिवार) को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विरेन्द्र सिंह राजपुत के मार्गदर्शन में किया जा रहा है।

उक्त नेशनल लोक अदालत में नीमच, मनासा, जावद एवं रामपुरा के न्यायालयों में विचाराधीन समझौता योग्य समस्त दाण्डिक, सिविल, विविध, मोटर दुर्घटना दावा, विद्युत अधिनियम, नगरपालिका, नगर पंचायतों, श्रम, बैंक, इत्यादि के प्रकरणों का निराकरण आपसी सुलह और समझौते द्वारा किया जायेगा। पक्षकारों से आग्रह है, कि उपरोक्त श्रेणी के समझौता योग्य प्रकरणों का निराकरण नेशनल लोक अदालत के माध्यम से कराने हेतु अपने अभिभाषकों से सम्पर्क करें व सम्बन्धित कार्यालयों में सहमति प्रस्तुत करें।

उज्जैन, नर्मदापुरम और...

पेज 1 से जारी

और जबलपुर में फोरेंसिक सैंपलों की जांच के लिए लैब है। जबलपुर की लैब पिछले माह से ही प्रारंभ हुई है। रीवा और रतलाम की लैब के लिए सभी उपकरण आ गए हैं। मानव संसाधन की व्यवस्था की जा रही है। रीवा और रतलाम में प्रतिमाह लगभग 200 सैंपलों की जांच हो सकेगी। प्रस्तावित तीन नई लैबों की क्षमता भी यही रहेगी। बाद में आवश्यकतानुसार क्षमता में वृद्धि की जा सकेगी।

90 प्रतिशत विसरा के होते हैं सैंपल-बता दें कि फारेंसिक सैंपलों में लगभग 90 प्रतिशत विसरा के होते हैं, जिनकी जांच से यह पता चलता है कि कोई जहरीली चीज का अंश तो शरीर में नहीं मिला है। बता दें कि मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मंगलवार को गृह विभाग की समीक्षा के दौरान सभी संभागों में फोरेंसिक लैब प्रारंभ करने के लिए कहा है। इस हिसाब से अब चंबल संभाग ही बच रहा है।

✻संयुक्त उठावना✻

स्व.श्री बापूलालजी फाफरिया की धर्मपत्नि एवं पारसमल बलवंत सिंह, दिलीप कुमार, सुनील कुमार, अनिलकुमार, अजय कुमार की काकीसा एवं अजितकुमार, स्व.अभय कुमार की माताजी एवं संजय कुमार एवं उमंग की दादीजी श्रीमती सूरजबाई फाफरिया का दुखद निधन दिनांक 06.11.2024 बुधवार को हो गया है। जिनका उठावना दिनांक 07.11.2024 गुरुवार, समय प्रात: 10.30 बजे, स्थान-आनंद मंगल भवन हॉट केशवर भवन के पास नर्सिंग घाट के पास मन्दसौर।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
फाफरिया एवं मोगरा परिवार

✻✻✻ नाम परिवर्तन ✻✻✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं शाकिर पिता फखरुद्दीन ने अपना नाम परिवर्तन कर शाकिर अली घड़ियाली पिता फखरुद्दीन कर लिया है। भविष्य में मुझे अपने नए नाम शाकिर अली घड़ियाली पिता फखरुद्दीन के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता-मकान नं.-29, वार्ड नं.-28, मोहम्मदी मार्ग, दौलतगंज, बोहरा बाखल, मंदसौर (म.प्र.) 458001

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी रामटेकरी मंदसौर स्थित सोसाइटी भूखंड क्रमांक 167 श्री अमर सिंह राठौर पिता श्री रामचन्द्र राठौर को मण्डल ने आवंटित किया गया था। श्री अमर सिंह राठौर पिता श्री रामचन्द्र राठौर के पक्ष में दिनांक 02.08.1978 को पट्टाभिलेख निष्पादित कर दिया था। श्री अमर सिंह राठौर द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्री गुरुचरण सिंह पिता श्री मेहर सिंह छाबड़ा को दिनांक 23.12.1989 को कर दिया था तथा श्री गुरुचरण सिंह पिता श्री मेहर सिंह छाबड़ा द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्री रतनलाल पिता समरथमल धाकड़ को दिनांक 09.12.1994 को कर दिया था। श्री रतनलाल पिता समरथमल धाकड़ का स्वर्गवास दिनांक 09.09.2021 को हो गया था। श्री रतनलाल पिता समरथमल धाकड़ अपनी मृत्यु में पूर्व रजिस्टर्ड वसीयत दिनांक 25.03.2020 को अपने पुत्र श्री अजय धाकड़ पिता श्री रतनलाल धाकड़ के नाम कर दिया था। श्री अजय धाकड पिता श्री रतनलाल धाकड़ अपनी माता श्रीमती चमेलीदेवी धाकड़ पति स्व. श्री रतनलाल धाकड एवं अपनी चारो बहनों श्रीमती आशा बुरड पिता स्व. श्री रतनलाल धाकड़, श्रीमती अमिता जैन पति श्री अक्षय जैन, श्रीमती अर्चना हिंगड पति श्री जवाहर हिंगड एवं श्रीमती अलका नाहटा पति श्री विनय नाहटा की सहमति, वसीयत एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री अजय धाकड़ पिता श्री रतनलाल धाकड़ भूखण्ड का नामांतरण अपने नाम से करवाना चाहते हैं।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य वित्तीय सस्था को कोई आपत्ति / उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर सोसाइटी भूखंड क्रमांक 167 रामटेकरी मंदसौर का नामान्तरण श्री अजय धाकड़ पिता श्री रतनलाल धाकड़ के नाम से कर दिया जायेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुदमनसिंह चंद्रावत)
सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in